

पृथ्वी पर अक्षांश एवं देशांतर

Latitudes and Longitudes



काल्पनिक रेखाएं होती हैं, जिनका उपयोग किसी  
स्थान की स्थिति निर्धारण में किया जाता है।

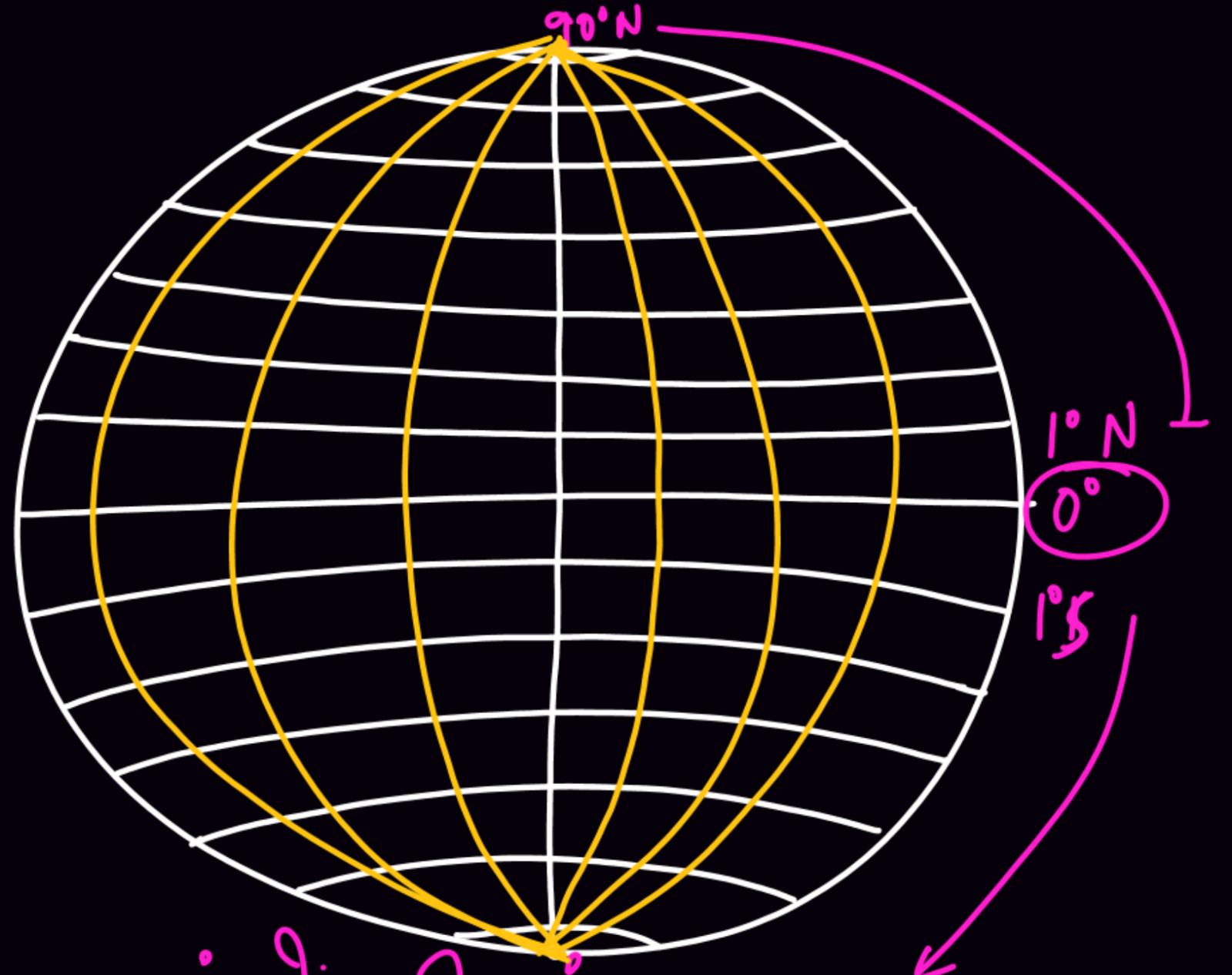
अक्षांश एवं अक्षांश रेखाएं



विषुवत रेखा के सापेक्ष

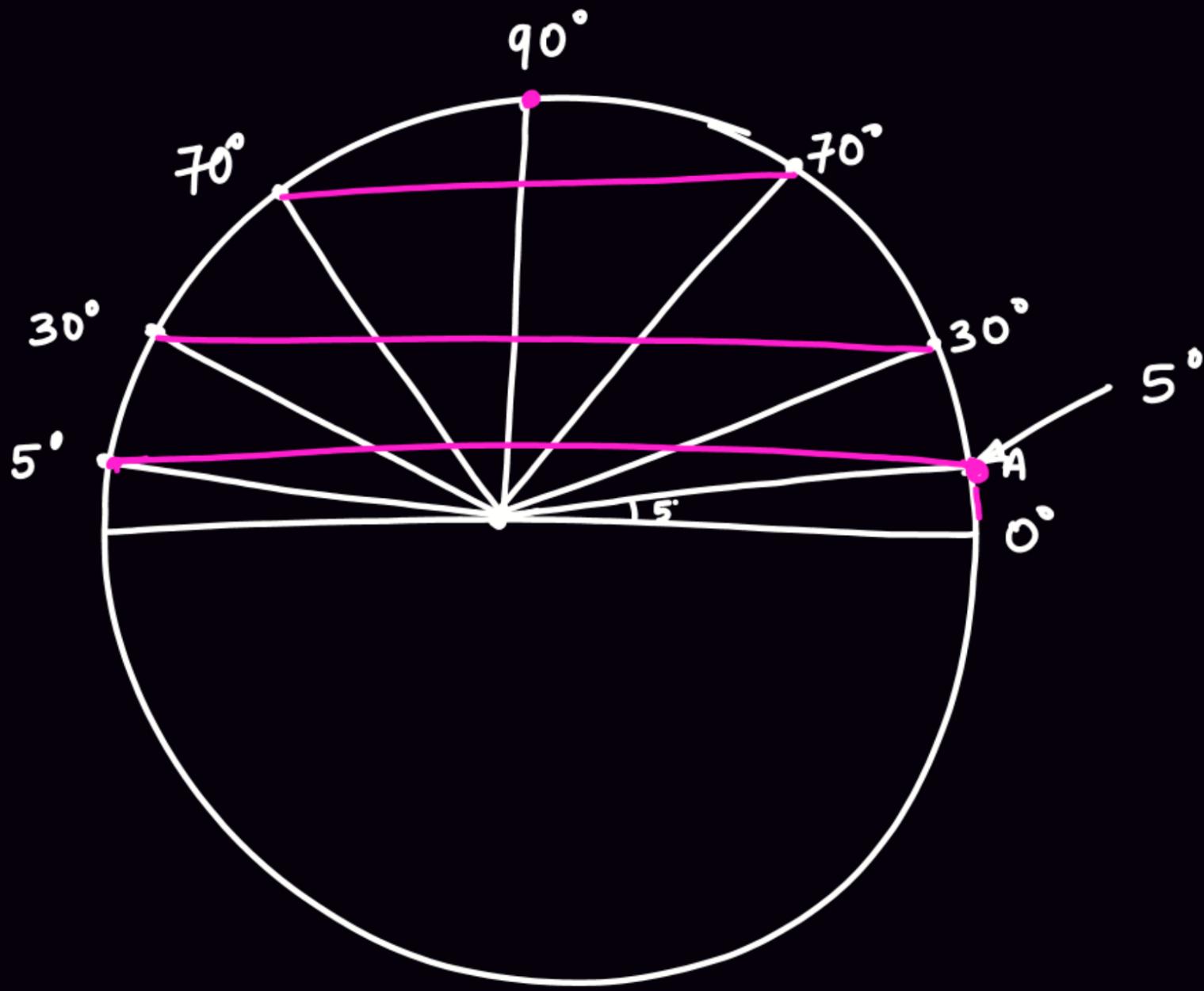
किसी स्थान का कोणीय

मान



# कुल अक्षांशों की संख्या  $\Rightarrow \frac{90 + 90 + 1}{1} = 181$

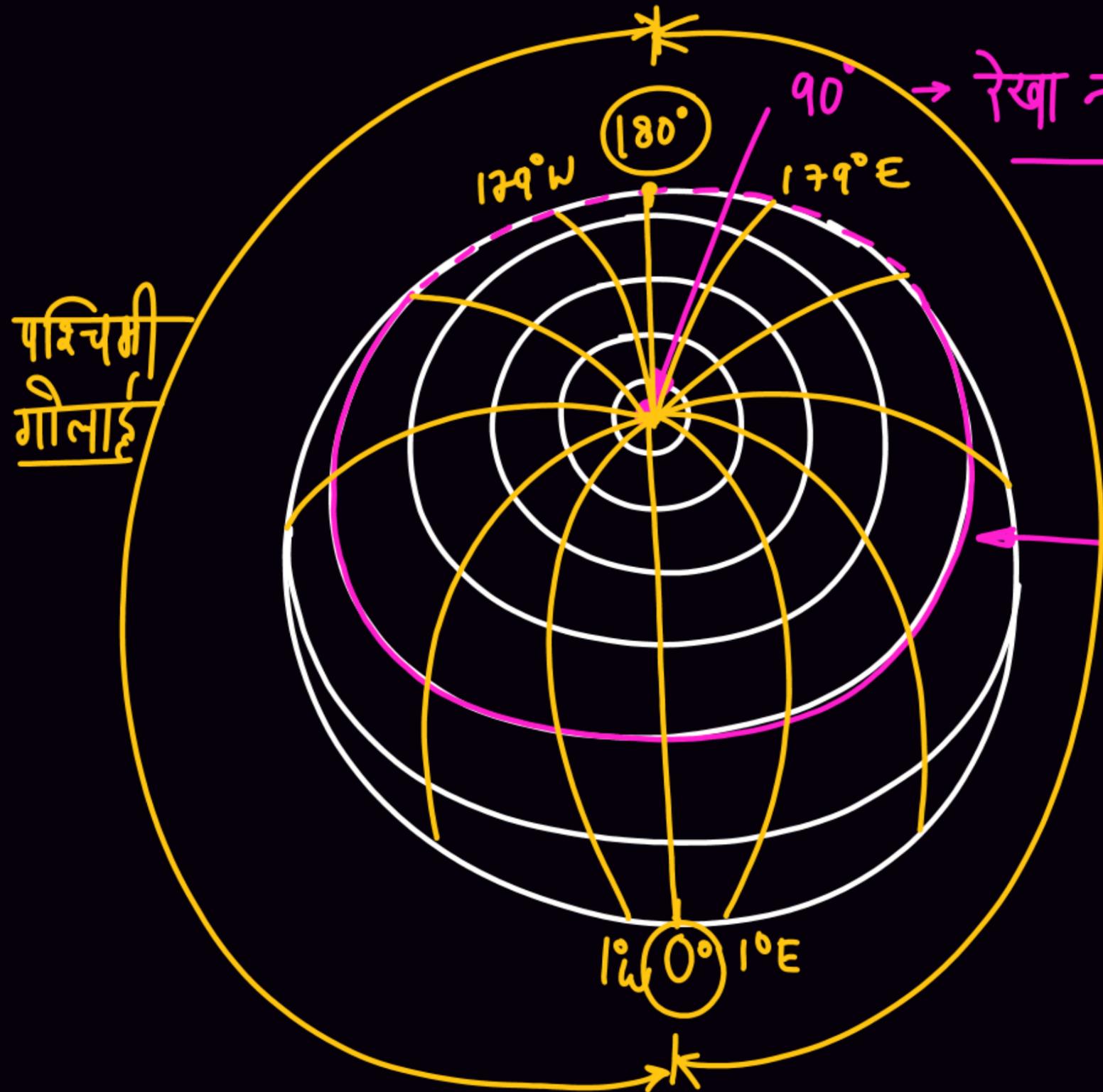
# कुल अक्षांश रेखाएं  $\Rightarrow 181 - (90^\circ N, 90^\circ S)$   
 $\Rightarrow 179$



⇒ अक्षांश रेखाएँ पूर्ण वृत्त के रूप में होती हैं।

⇒ सबसे बड़ा अक्षांशीय वृत्त विषुवत रेखा तथा सबसे छोटा अक्षांशीय  $89^\circ$  होता है।

⇒ विषुवत रेखा से ध्रुवों की ओर अक्षांशीय वृत्त छोटे होते जाते हैं।



रेखा नहीं है, बिंदु है

पूर्वी गोलार्ध

विषुवत या भूमध्य रेखा या 0° अक्षांश  
equator

→ विषुवत रेखा से ध्रुवों की ओर अक्षांशीय वृत्त छोटे होते हैं तथा दो अक्षांशों के बीच दूरी बढ़ती जाती है, क्योंकि पृथ्वी ध्रुवों के निकट चपटी है।

→ १ अक्षांशों के मध्य क्षेत्र को कटिबंध (zone) कहा जाता है।

→ २ अक्षांशों के मध्य औसत दूरी 111.32 km होती है।

देशांतर (Longitude) :- ग्रीनविच रेखा के पूर्व या पश्चिम की ओर

किसी स्थान का कोणीय मान देशांतर कहलाता है। ग्रीनविच के सापेक्ष पूर्व या पश्चिम की ओर समान देशांतरीय मानों की मिलाने हुए खींची गई रेखाएं देशांतर रेखाएं कहलाती हैं।

जो कि ध्रुवों को आपस में मिलानी हैं।

